भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.03.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3066 का उत्तर

उत्तर-पूर्व और उत्तर बंगाल कॉरिडोर रेल परियोजना

3066. श्री सौमेंदु अधिकारी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वित्तीय वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में उत्तर-पूर्व और उत्तर बंगाल गलियारा रेल परियोजनाओं के लिए आवंटित कुल धनराशि का परियोजना-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार इस क्षेत्र में परियोजनाओं को कार्यान्वित करते समय पारिस्थितिक क्षति को कम करने के लिए पर्यावरणीय नियमों के सख्त अनुपालन के साथ पर्यावरणीय पहलुओं के प्रति जागरूक है और यदि हां, तो पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए किए गए उपायों और कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) उत्तर बंगाल सहित उत्तर पूर्व क्षेत्र में चल रही रेल परियोजनाओं का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) भूटान और पड़ोसी देशों को जोड़ने वाली परियोजनाओं का, प्रस्तावित परियोजनाएं/अपेक्षित परिणाम/उनके पूरा होने का अपेक्षित वर्ष सहित ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ) : पिछले पांच वर्षों के दौरान बजट आबंटन में काफी वृद्धि हुई है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹2,122 करोड़ प्रति वर्ष
2025-26	₹10,440 करोड़ (लगभग 5 गुना)

रेलपथ निर्माण :

वर्ष 2009-14 और 2014-2025 के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ को कमीशन करने/बिछाने का विवरण निम्नानुसार है :-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नई रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	333 कि.मी.	66.6 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-25	1,840 कि.मी.	167.27 कि.मी. प्रति वर्ष (लगभग 2.5 गुना)

स्वीकृत परियोजनाएं :

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, 69,342 करोड़ रुपए की लागत पर पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली कुल 777 किलोमीटर लंबाई की 12 रेल परियोजनाएं (08 नई लाइन, 04 दोहरीकरण) स्वीकृत किया गया है। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि(में .मी.	मार्च, 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (में .मी.कि)	मार्च, 2025 तक व्यय (करोड़ रु(में .
नई लाइन	08	448	113	38,078
दोहरीकरणमल्टीट्रैकिंग/	04	329	165	3,598
कुल	12	777	278	41,676

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं :

पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कमीशन की गई परियोजनाएं निम्नानुसार हैं :

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	अगरतला सबरुम नई लाइन (112 कि.मी.)	3,170
2	अगरतला - अखौरा नई लाइन (5 कि.मी.)	865
3	रंगिया - मुरुंगसेलेक आमान परिवर्तन (510 कि.मी.)	3,019

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
4	कुमारघाट - अगरतला आमान परिवर्तन (109 कि.मी)	1,242
5	लुमडिंग - बदरपुर - सिलचर और बदरपुर - कुमारघाट आमान परिवर्तन (412 कि.मी.)	6,500
6	लुमडिंग - होजई दोहरीकरण (45 कि.मी.)	410
7	दिगरू - होजाई दोहरीकरण (102 कि.मी.)	1,873
8	नया बोंगाईगांव - अगथोरी दोहरीकरण (143 कि.मी.)	2,048
9	बोगीबील पुल (92 कि.मी.)	5,820

चालू परियोजनाएं :

पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः रूप से पड़ने वाली कुछ मुख्य परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, वे इस प्रकार हैं : -

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	जीरीबाम - इम्फाल नई लाइन (111 कि.मी.)	21,886
2	दीमापुर - कोहिमा नई लाइन (82 कि.मी.)	15,230
3	मुरकोंगेलेक - पासीघाट नई लाइन (27 कि.मी.)	1,249
4	नया बोंगाईगाँव - गोलपारा - गुवाहाटी (कामाख्या) का दोहरीकरण (176 कि.मी.)	4,962
5	सराईघाट पुल दोहरीकरण (7 कि.मी.)	1,474
6	कामाख्या गुवाहाटी तीसरी लाइन (6 कि.मी.)	395
7	लुमडिंग - फुरकटिंग डबलिंग (140 कि.मी.)	2,124
8	फुरकटिंग - तिनसुकिया दोहरीकरण (194 कि.मी.)	3,634

भूटान और पड़ोसी राष्ट्रों के साथ संपर्कता: भारत और पड़ोसी राष्ट्रों के बीच शुरू की गई रेल संपर्क परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
	भुटान	
1.	कोकराझार (असम, भारत)-गेलेफू (भूटान) रेल संपर्क (67 कि.मी.)	3,456
2.	बानरहाट (पश्चिम बंगाल, भारत)-सैमत्से (भूटान) रेल संपर्क (17 कि.मी.)	577
	नेपाल	
1.	जोगबनी (बिहार, भारत)- बिराटनगर (नेपाल) रेल संपर्क (18 कि.मी.)	480
2.	जयनगर (बिहार, भारत)- वर्दीबास का विस्तार विजालपुरा से (नेपाल) रेल संपर्क (69 कि.मी.)	784
	बांग्लादेश	
1.	महिषाशन (असम, भारत)- जीरो प्वाइंट (बांग्लादेश) रेल संपर्क (3 कि.मी.)	39

इन परियोजनाओं को संबंधित राष्ट्रों के साथ गहन परामर्श में आगे बढ़ाया जा रहा है और पूर्ण होने की समय सीमा सांवैधिक मंजूरी, भूमि अधिग्रहण और राष्ट्र की भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर निर्भर करेगी।

उपर्युक्त परियोजनाओं से सीमा पार रेल लिंकों में सुधार कर क्षेत्रीय संपर्कता और आर्थिक एकीकरण महत्वपूर्ण रूप से बढ़ने की उम्मीद है, जिससे आयात और निर्यात कार्गो के लिए रसद लागत और

पारगमन समय कम हो जाएगा। इन पहलों से सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा मिलेगा और पड़ोसी राष्ट्रों के साथ द्विपक्षीय व्यापार और रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करेगा।

रेल परियोजना/ओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकारों द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी मंजूरी
- बाधक जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरियाँ
- क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक स्थिति
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- विशिष्ट परियोजना स्थल के लिए वर्ष में कार्य करने वाले महीनों की संख्या आदि

रेल परियोजनाओं के प्रभावी और त्वरित कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न उपायों में निम्नलिखित शामिल है:-

- निधियों के आवंटन में पर्याप्त वृद्धि।
- फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन।
- विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की गहन निगरानी।
- शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव मंजूरी के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकरणों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों को हल करना।

रेल पर्यावरण के अनुकूल और परिवहन का ऊर्जा-कुशल साधन है, जो कम कॉर्बनडॉइऑक्साइड उत्सर्जित करता है। सड़क द्वारा परिवहन की तुलना में रेलवे से कॉर्बनडॉईऑक्साइड उत्सर्जन में कमी निम्नानुसार है (संदर्भ: नीति आयोग की रिपोर्ट जिसका शीर्षक है "फास्ट ट्रैकिंग फ्रेट इन इंडिया, जून 2021"):

परिवहन का माध्यम	1 कि.मी. के लिए 1 टन के परिवहन हेतु कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन
सड़क	101 ग्राम
रेल	11.5 ग्राम (लगभग 89% कम)

एक मीट्रिक टन माल ढुलाई को सड़क से रेल में स्थानांतरित करने से कार्बन उत्सर्जन में लगभग 5.37 करोड़ किलोग्राम की कमी आती है। वर्ष 2014 से 2025 की अवधि के दौरान, लगभग 562 मीट्रिक टन माल ढुलाई रेलवे में स्थानांतरित किया गया है, जिससे कार्बन उत्सर्जन में 3,018 करोड़ किलोग्राम की कमी आई है।

मौजूदा नीतिगत दिशा-निर्देशों के अनुसार, रेल परियोजनाओं को पर्यावरण संबंधी मंजूरियों से छूट दी गई है। बहरहाल, जहां कहीं भी वन भूमि का अपवर्तन शामिल है, वहां पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) से वानिकी/वन्यजीव स्वीकृतियां ली जाती हैं।

विद्युत कर्षण अधिक पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल है। तदनुसार, भारतीय रेल पर रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण मिशन मोड में किया गया है। अब तक, 99.4% बड़ी लाइन नेटवर्क का विद्युतीकरण किया जा चुका है। शेष नेटवर्क में विद्युतीकरण का कार्य किया जा रहा है। वर्ष 2014-25 के दौरान और वर्ष 2014 से पहले किया गया विद्युतीकरण कार्य निम्नानुसार है:

अवधि	मार्ग किलोमीटर
2014 से पहले (लगभग 60 वर्ष)	21,801
2014-25	46,900

इसके अलावा, भारतीय रेल ने परियोजनाओं के निर्माण और परिचालन के दौरान पारिस्थितिकीय प्रभावों को न्यूनतम करने के लिए कई तंत्र स्थापित किए हैं, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ, राज्य वन विभाग के समन्वय से वनीकरण जहां वन भूमि शामिल है, पर्यावरण के अनुकूल निर्माण

पद्धतियों को अपनाना, जिसमें निर्माण मलबे का उचित निपटान, ढलान स्थिरीकरण और प्राकृतिक जल निकासी की सुरक्षा शामिल है, वन्यजीव क्रॉसिंग, जानवरो के लिए अंडरपास/ओवरपास का प्रावधान और पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों, जहां कहीं अपेक्षित हो पर अन्य शमन उपाय तथा संबंधित रेल प्राधिकारियों द्वारा परियोजना कार्यान्वयन के दौरान पर्यावरणीय संरक्षा उपायों की निरंतर निगरानी करना शामिल है।

वंदे भारत/अमृत भारत/वंदे भारत स्लीपर रेलगाड़ियाः

चूंकि रेल नेटवर्क राज्य/क्षेत्रीय सीमाओं के पर फैला होता है, इसलिए रेलगाड़ियों का परिचालन नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार किया जाता है। बहरहाल, प्रारंभिक/समाप्ति के आधार पर, 18 वंदे भारत चेयर कार सेवाएं, 02 वंदे भारत स्लीपर रेलगाड़ी सेवाएं और 18 अमृत भारत सेवाएं पश्चिम बंगाल राज्य में स्थित स्टेशनों की आवश्यकताओं को पूरा कर रही हैं। ये निम्नानुसार सूचीबद्ध हैं:

वंदे भारत सेवाएं [चेयर कार]:

क्र.सं.	गाड़ी सं. और नाम
1	22301/22302 हावड़ा-नई जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस
2	22895/22896 हावड़ा-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस
3	22227/22228 गुवाहाटी-नई जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस
4	20897/20898 हावड़ा-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस
5	22347/22348 हावड़ा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस
6	22233/22234 नई जलपाईगुड़ी-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस
7	22303/22304 हावड़ा-गया वंदे भारत एक्सप्रेस
8	20871/20872 हावड़ा-राउरकेला वंदे भारत एक्सप्रेस
9	22309/22310 हावड़ा-जमालपुर वंदे भारत एक्सप्रेस

वंदे भारत सेवाएं (स्लीपर)

क्र.सं.	गाड़ी सं. और नाम
1	27575/27576 हावड़ा-कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस

अमृत भारत सेवाएं

क्र.सं.	गाड़ी सं. और नाम
1.	13434/13433 मालदा टाउन- एसएमवीटी बेंगलुरू अमृत भारत एक्सप्रेस
2.	13435/13436 मालदा टाउन- गोमती नगर अमृत भारत एक्सप्रेस
3.	20603/20604 नागरकोइल- नई जलपाईगुड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस
4.	20609/20610 तिरुचिरापल्ली- नई जलपाईगुड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस
5.	16107/16108 तांबरम- सांतरागाछी अमृत भारत एक्सप्रेस
6.	13065/13066 हावड़ा- आनंद विहार (ट.) अमृत भारत एक्सप्रेस
7.	22587/22588 बनारस- सियालदह अमृत भारत एक्सप्रेस
8.	16597/16598 एसएमवीटी बेंगलुरू-अलिपुरदुआर अमृत भारत एक्सप्रेस
9.	11031/11032 पनवेल-अलिपुरदुआर अमृत भारत एक्सप्रेस

इसके अलावा, वर्तमान में, पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित स्टेशनों को पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा सेवा प्रदान की जा रही है, जो नीचे सूचीबद्ध 02 वंदे भारत चेयर कार सेवाओं, 02 वंदे भारत स्लीपर सेवाओं और 04 अमृत भारत सेवाओं द्वारा सेवित की जा रही है:-

वंदे भारत सेवाएं [चेयर कार]

क्र.सं.	गाड़ी सं. और नाम
1	22227/22228 नई जलपाईगुड़ी-गुवाहाटी वंदे भारत एक्सप्रेस

वंदे भारत सेवाएं [स्लीपर]

क्र.सं.	गाड़ी संऔर नाम .
1	27575/27578 हावड़ा-कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस

अमृत भारत सेवाएं

क्र.सं.	गाड़ी सं. और नाम
1	15671/15672 कामाख्या-रोहतक अमृत भारत एक्सप्रेस
2	15949/15950 डिब्रूगढ-गोमती नगर (लखनऊ) अमृत भारत एक्सप्रेस

******